XVIII वीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

(07 अक्टूबर, 2016)

महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून ने संस्थान के लिये बेहतर वानिकी अनुसंधान समन्वय, अनुसंधान उपयोगिता व उन्मुखी वानिकी अनुसंधान को व्यवहारिक बढ़ावा देने एवं संस्थान के निदेशक को विभिन्न शोध परियोजनाओं को प्रारूप देने हेतु अनुसंधान सलाहकार समिति/समूह (Research Advisory Group/RAG) का अनुमोदन/गठन किया ताकि वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके ।

अनुसंधान सलाहकार समूह (RAG) के अधिदेश को ध्यान में रखते हुए, जो मुख्यरूप से वानिकी अनुसंधान में नई दिशा देने एवं नव-विचारों को शामिल करने के लिये है, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में इस समूह की वार्षिक बैठक दिनांक 7 अक्टूबर, 2016 को संस्थान के सभागार में आयोजित की गई । बैठक का मुख्य उद्धेश्य न केवल चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना है अपितु नये शोध प्रस्तावों को प्राथमिकता देना है, बल्कि अनुसंधान सलाहकार समूह के सदस्यों की विशेषता का अधिक से अधिक लाभ उठाने का अवसर प्रदान करना है ।

डॉ० के० एस० कपूर, समूह समन्वयक अनुसंधान, हि०व०अ०संस्थान, शिमला ने बैठक की कार्यवाही की शुरूआत की व डॉ० वी०पी०तिवारी, निदेशक, हि०व०अ०संस्थान, शिमला, जो कि अनुसंधान सलाहकार समूह के अध्यक्ष भी हैं, को बैठक में उपस्थित अनुसंधान सलाहकार समूह के माननीय सदस्यों का स्वागत करने हेतु आमंत्रित किया । तत्पश्चात डॉ० तिवारी, निदेशक एवं अध्यक्ष महोदय ने समूह के माननीय सदस्यों का स्वागत किया तथा साथ ही अनुसंधान सलाहकार

समूह की रचना (संविधान) व इसके अधिदेश के बारे में भी विस्तार से बताया । इसके पश्चात समूह समन्वयक अनुसंधान ने संस्थान का परिचय, अनुसंधान गतिविधियों एवं संस्थान की मुख्य उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी व समूह के सदस्यों को नई शोध परियोजनाओं के संदर्भ में किस तरह से स्कोरिंग की जायेगी, यह भी बताया ।

डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक (आर०पी०), डॉ० टी०पी० सिंह, भा०व०से०, सहायक महानिदेशक (बी०सी०सी०) एवं डॉ० एस०पी०एस० रावत, सहायक महानिदेशक (एम०एण्ड०मी०), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, जिन्हें भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के महानिदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा इस संस्थान की बैठक में भाग लेने के लिये नामित किया था, शिमला व परिषद् के नेटवर्क न चलने के कारण बैठक में भाग नही ले सके ।

श्री० ए०सी० शर्मा, भा०व०से०, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल (Finance); डॉ० विजय लक्ष्मी तिवारी, भा०व०से०, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल, राज्य वन विभाग, शिमला, श्री एच० एस० डोगरा, भा०व०से०, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल (**Floral Diversity, NTFP & Res. Mgmt**), राज्य वन विभाग, करनोडी, सुन्दरनगर, मण्डी (हि०प्र०); प्रो० के०एस० वर्मा, निदेशक (विस्तार) पर्यावरण विज्ञान विभाग, यू०एच०एफ० नौणी, सोलन (हि०प्र०), डॉ० ए०के० रामदेव, वानिकी महाविद्यालय, यूएचएफ नोणी सोलन के डीन द्वारा नामित, डॉ० मनींद्र जीत कौर, सदस्य सचिव, एचआरजी, शिमला, डॉ० एस०एस० सामन्त, वैज्ञानिक प्रभारी, जी०बी०पंत संस्थान, मोहल, कुल्लू, हि०प्र०, डॉ० सुनील अग्रवाल, प्रभारी अधिकारी, बीज प्रभाग, डी०एस०टी० नई दिल्ली, डॉ० आर०एस० मिन्हास, अध्यक्ष, हिमोड संस्था, खनेरी (रामपुर) शिमला ने भी इस सलाहकार समूह के सदस्यों के रूप में बैठक में भाग लिया ।

श्री ए०सी० शर्मा, भा०व०से०, अतिरिक्त मुख्य अरण्यपाल (Finance) ने प्रधान मुख्य अरण्यपाल, राज्य वन विभाग हि० प्र० की ओर से बैठक में भाग

लिया क्योंकि वह अंतिम क्षणों में पड़ने वाले आवश्यक कार्यों की वजह से बैठक में नही आ सके । अपने संबोधन में श्री शर्मा ने सभी माननीय सदस्यों एवं अन्य से अनुरोध किया कि वे अपने विचार व्यक्त करें ताकि वित्तिय, मानवीय व भौतिक संसाधनों का उचित तरीके से इस्तेमाल किया जा सके । शोध पर बात करते हुये उन्होंनें वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया कि जलवायु परिवर्तन के जैसे मुद्दे, जो वनों के पारिस्थितिकी तन्त्र, जैव-विविधता संरक्षण व अनुवांशिकी सुधारों को प्रभावित करते हैं, उन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया ।

इसके पश्चात संस्थान के विभिन्न प्रभागों के वैज्ञानिकों/ परियोजना अन्वेषकों द्वारा चार नई बहु-संकाय/ बहु-संस्थान शोध परियोजना प्रस्तावों, जो कि विभिन्न विषयों के अर्न्तगत आते हैं, को माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । इन प्रस्तावों को आवश्यक जगहों पर कुछ संशोधित करके अनुसंधान नीति समिति [Research Policy Committee (RPC)] के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदित कर दिया गया । इसके अतिरिक्त, प्लान के अर्न्तगत चल रही व अन्य बाह्य वित्तिय सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति को भी प्रस्तुत किया गया । समूह के सदस्यों द्वारा इन पर भी काफी विचार-विमर्श हुआ व सभी सदस्यों ने परियोजनाओं के अर्न्तगत चल रहे कार्यों की सराहना की व किए गए कार्यों के प्रति संतुष्टि प्रकट की ।

डॉ० राजेश शर्मा, वै० एफ०, वनवर्धन एवं वन सुधार प्रभाग ने वोट ऑफ थैंक्स प्रस्तुत किया ।

बैठक के अन्त में निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने सभी माननीय सदस्यों का बैठक में भाग लेने के लिये व महत्वपूर्ण परामर्श देने के लिये धन्यवाद दिया ।

******

बैठक के दौरान उपस्थित सदस्य

****